# Pragya College of Education

VPO Dulhera, Tehsil Bahadurgarh
Distt. - Jhajjar (Haryana)

Session .....

Pragya College of Education

# Reading and Reflecting On Texts

(Ist Year)

Name .....

College Roll No. .....

University Roll No. .....

Scanned with CamScanner

# INDEX

## Reading and Reflecting On Texts

| Sr. No. | Topic | Supervisor's Sign. |
|---|---|---|
| UNIT-I | भाषा कौशल, पठन कौशल | |
| | वैश्विक एवं स्थानिक समझ हेतु पठन [illegible] भाषा का [illegible] | |
| | • कथा • नाटक कविता • वार्तालाप • पत्र पटकथा रिपोर्ट | |
| | आलोचनात्मक पठन प्रक्रिया को समझना • पूर्व पठन • पश्चात पठन | |
| UNIT-II | • लेखन कौशल का विकास • सौन्दर्यात्मक लेखन, रणनीतियाँ | |
| | • अधिगम प्रक्रिया की त्रुटियों को पहचानना | |
| | व्याख्यान के संदर्भ में लिखित पाठ को [illegible] • आकृति विज्ञान • व्यक्तिगत समूह चिंतन चिंतनशील लेख की अवधारणा समझना | |
| | • गंभीर सोच, पढ़ने की प्रक्रिया, लेखन की प्रक्रिया, पाठ के प्रकार, व्यक्तिगत अनुभव, पाठ्यपुस्तक का वाचा | |

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

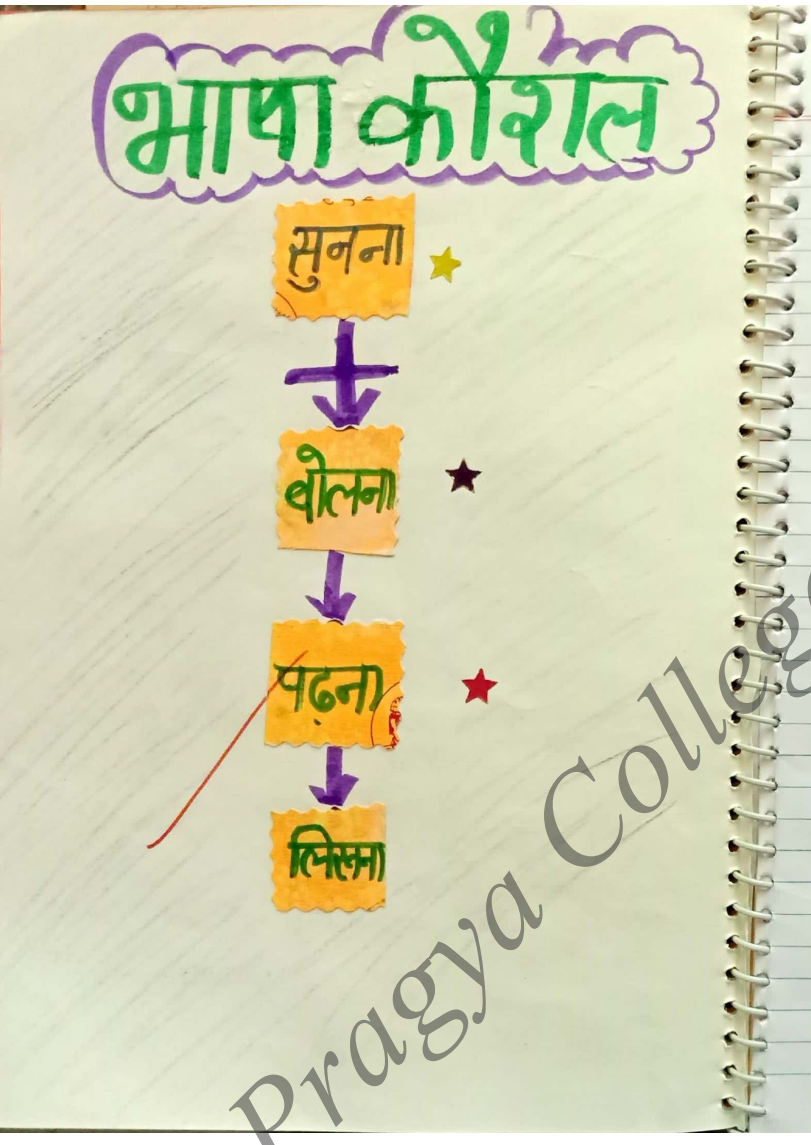




## भाषा कौशल

मनुष्य ने भाषा को अपने कौशलो के रूप मे सुसज्जित कर अपनी अभिव्यक्ति को एक नया आयाम प्रदान किया है। सुनना बोलना लिखना पढ़ना ये भाषाई कौशलो तथा भाषा सीखने का एक स्वाभाविक क्रम है। सुनना पढ़ना ग्रहण-शील कौशल कहलाता है। लिखना बोलना अभिव्यक्ति कौशल कहलाता है। किसीभी भाषा को ग्रहण करने का सर्वप्रथम कौशल श्रवण है इसमे बालक अपने आस-पास के वातावरण से सुनकर सीखता है। तथा उसे बोलने का प्रयास करता है। जब वह बोलकर अपनी प्रतिक्रिया देता है तब उसका मौखिक विकास होता है। जिसे मौखिक कौशल कहा जाता है

पठन कौशल के द्वारा बालक को शब्दो तथा वाक्यो के सही ढंग का पता चलता है कि नए-नए शब्दो तथा उनके अर्थो का पता चलता है। किसी भी भाषा को समझने मे आसानी रहती है उसका भाषा कौशल का विस्तार होता है। बालक विद्यालय मे प्रवेश करने से पहले ही अपने पारिवारिक परिवेश मे श्रवण कौशल व भाषण कौशल मे थोड़ी बहुत निपुणता प्राप्त कर चुका होता है। पठन-कौशल के विकास के लिए उसे विद्यालय में आना पड़ता है। विद्यालय मे अध्यापक ही उसे भाषा के लिखित रूप से परिचित करता है।

लेखन कौशल से अपने विचारो को अभिव्यक्त करने मे भी आसानी होती है। भाषा की ध्वनि चिह्नो का प्रयोग कर किसी भी भाषा को अभिव्यानेत कर सकते है। दूसरे बैठे व्यक्तियो के साथ सम्पर्क करने के लिए औपचारिक कार्यों तथा सूचनाओ के आदान-प्रदान करने के लिए व्यवहार की आवश्यकता है। किसी भी क्षेत्र मे हमें अपनी भाषा को

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

मे लाना पड़ता है। इसके लिए लेखन कौशल आवश्यक है।

विद्यालय में प्रवेश करने से पहले ही बालक मे श्रवण-कौशल का घोड़ा बहुत विकास हो चुका होता है। परंतु वाचन - कौशल व लेखन-कौशल के लिए उसे विद्यालय जाना पड़ता है।

जब तक बच्चे को लिखना नही आता तब तक उस का भाषा का पूर्ण रूप से अधिकार नहीं हो सकता इसलिए भाषा पर पूर्ण अधिकार के लिए लेखन कौशल आवश्यक है।

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

# पठन प्रक्रिया के सोपान

- पहचान
- अर्थग्रहण
- मूल्यांकन
- अनुप्रयोग

3

# पठन कौशल

पठन कौशल को वाचन कौशल भी कहा जाता है। भाषा शिक्षण मे वाचन का महत्वपूर्ण स्थान है। भाषा की भाषाएँ कौशल मे यह अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है पठन कौशल के द्वारा विद्यार्थियों को इस योग्य बनाया जाता है। कि लिपि बद्ध सामग्री को पढ़कर वे भाव ग्रहण कर सके, वैसे तो चारो कौशलो का एक मनोवैज्ञानिक क्रम है। बच्चा पहले दूसरो को बोलते हुए सुनता है। फिर बोलता है। उसके बाद वह पढ़ना सीखता है। और अंत मे लिखना सीखता है।

## पठन का अर्थ

पढ़ने की शिक्षा हेतु पठन या वाचन दो शब्दो का प्रयोग किया जाता है। पठन पठ् धातु से बना है। और वाचन शब्द वाक् धातु से जिसका अर्थ है शब्द वाणी या कथन लिखित अथवा छपी हुई सामग्री का उच्चारण करना पठन कौशल कहलाती है किन्तु यह पठन का संकुचित अर्थ है। विकासित अर्थ में वाचन या पठन से तात्पर्य लिखित छुपी हुई सामग्री को अर्थ सहित ग्रहण करना है।

## पठन प्रक्रिया के सोपान

पहचान → अर्थग्रहण → मूल्यांकन → अनुप्रयोग

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

## पहचान

- लिपि को पहचानना
- संकेतो व सांकेतिक ध्वनियो से जोडना
- ध्वनि संकेतो से बनित शब्द व वाक्य को पहचानना

## अर्थ ग्रहण

- लिपि संकेतो द्वारा निर्मित शब्दो, वाक्यो मे निहित अर्थ पहचान
- अर्थ को संदर्भानुसार समझाना
- विभिन्न प्रकार के अर्थो को गहण करना

## मूल्यांकन

यह उच्च स्तरीय सोपान है।
पाठक ग्रहण किए गए विचारो की उपयोगिता, सार्थकता विश्वसनीयता पर विचार या मूल्यांकन करता है

## अनुप्रयोग

- अंतिम सोपान है।
- पठन कौशल को उद्देश्य पूर्ण होता है।

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

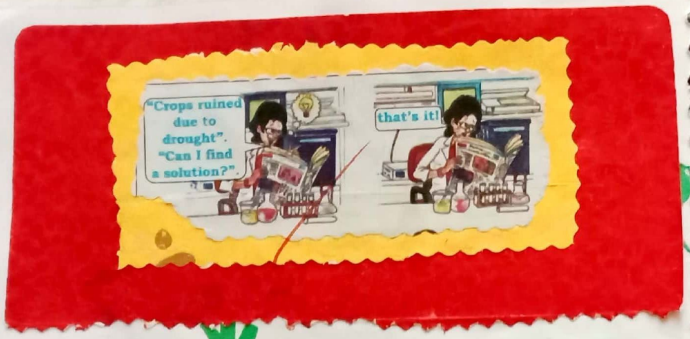

5

## पठन कौशल के प्रकार

- पठन दो प्रकार के हैं

पठन

सस्वर वाचन

मौन वाचन

### सस्वर वाचन LOUD Reding

- किसी पाठ और पाठ्य सामग्री को ऊँचे -2 स्वर मे पढ़ने की प्रक्रिया को सस्वर वाचन कहते हैं

### मौन वाचन Silent Reading

- किसी पाठ और पाठ्यसामग्री को मन ही मन शांति से बिना आवाज किए पढने की प्रक्रिया को मौन वाचन कहते हैं।

**Ex:** पुस्तकालय एवं सार्वजानिक स्थान पर पढना

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

श्रवण

कथन

पठन

लेखन



# पठन भाषा कौशल के रूप में

भाषा एक ऐसी योग्यता है विशेषकर मानवीय योग्यता है जिसके द्वारा वह संकेत की जटिल प्रणाली को ग्रहण कर इनका अध्ययन करता है। जिसके द्वारा हम अपने भाव, संवेदना, भावनाओं और दृष्टिकोण का आदान - प्रदान करते हैं।

इस बात में कोई अतिश्योक्ति नही है कि भाषा को सीखने के लिए मौलिक कौशलो पर महारत करना अति आवश्यक है।

## भाषा कौशल के बुनियादी

- श्रवण
- कथन
- पठन
- लेखन

Excellent work

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

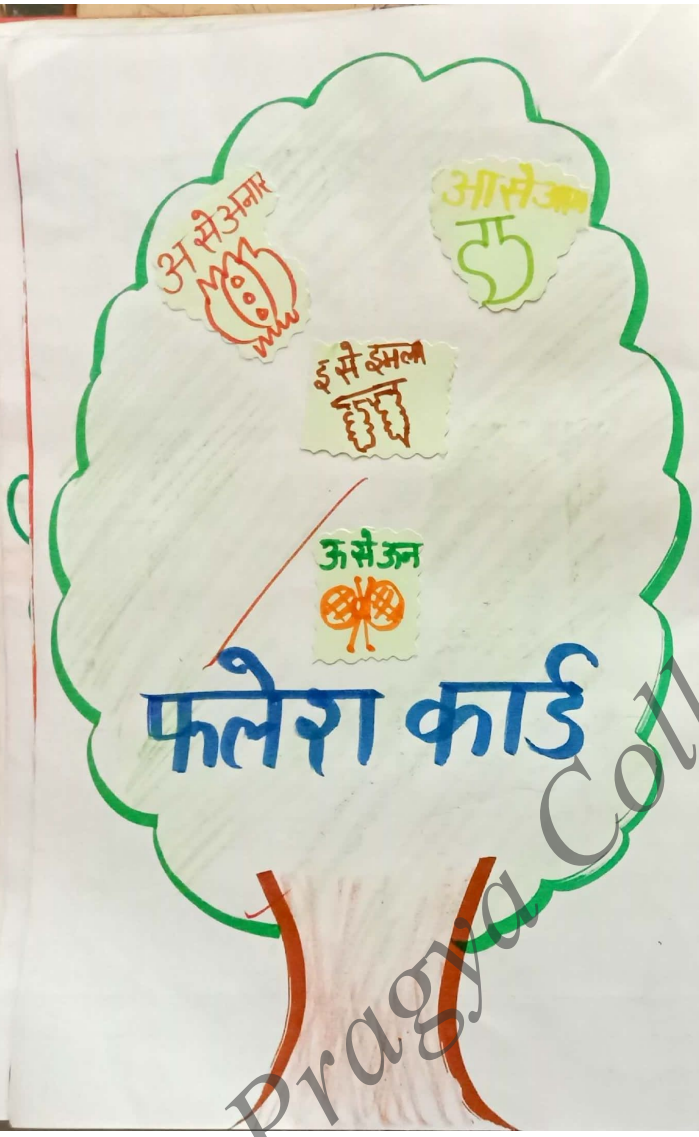

7



## भाषीय कौशलों का महत्व

भाषा अपने अधिगम की धुरी है इसके बिना आप किसी विषय को समझ कर संवाद नहीं कर पाते इसे अपनी भाषायी कौशल के विकास की जरूरत है।

- अपनी विषय सामग्री को समझ कर उसे प्रभावशाली ढग से प्रयोग करे
- अपने विषय से संबधित विशिष्ट शब्दकोष और भाषा का विकास
- पठत के लिए प्रासंगिक सवाल व सामग्री का चयन करना।

## पठन कौशल का अर्जन

- सर्वप्रथम पढ़ना सीखने से पहले बच्चो मे उत्सुकता जाग्रत किया जाना चाहिए।
- फलेश बोर्ड के द्वारा शब्दो की सामूहिक पहचान करवाना।
- वाक्य पढ़ने का अभ्यास करवाना
- एक कविता याद करवाना वही कविता पढने के लिए उपस्थित करना, जिसके पढने से छात्र में आत्म-विश्वास की भावना जाग्रत होगी।
- एक कविता याद करवाना और कहानी मौखिक रूप से सुनाना और वही कथा पठन के लिए उपस्थित

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

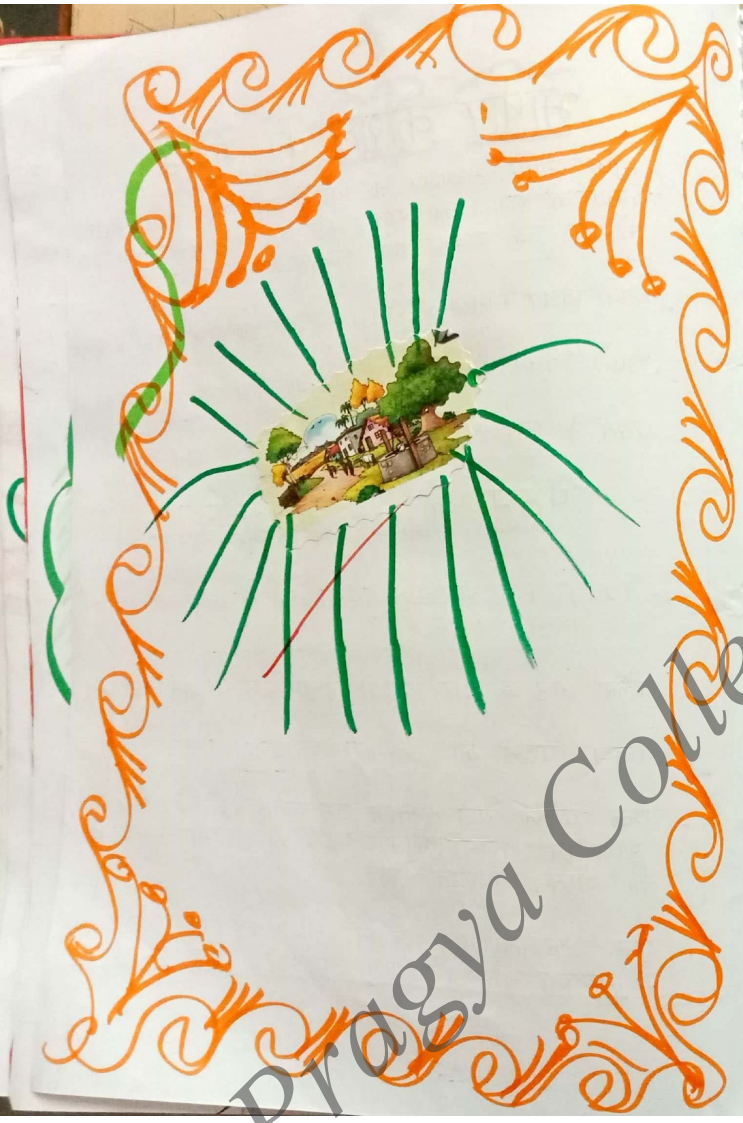

8

(8)

- कठिन ध्वनियो का अभ्यास करवाना
  जैसे अंबर मे निज बैर
- पठन करते समय एकाग्र होकर पढ़ाना चाहिए!
- अध्यापक द्वारा छात्रो के साथ प्रेम और सहानुभूति व्यवहार करना चाहिए और उन्हे पठन कार्य के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए
- घर का वातावरण शांत होना चाहिए और माता-पिता द्वारा अपने बच्चो की पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए!
- जो कुछ बच्चे पढ़ते है! वही उनसे लिखवाकर भी देखना चाहिए। इससे पढ़े हुए अक्षर व वाक्य याद रहते है!

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

## SAFETY RULES



- Always walk on foot-Path.
- Always stand in Queue at the Bus Stop
- Always keep left.
- Always cross THE ROAD AT ZEBRA CROSSING
- Signal WITH YOUR RIGHT HAND OR light FOR TAKING A TU
- Driving RASHLY THROUGH THE HEAVY TRAFFIC IS DANGEROUS.
- Always OVERTAKE ONLY BY THE RIGHT HAND SIDE
- DO NOT PLAY ON THE ROAD.
- ALWAYS OBEY TRAFFIC SIGNALS.
- NEVER LET ANY PART OF YOUR BODY OUTSIDE THE
- NEVER TACK ON PHONE WHICE ON THE ROAD.

School Ahead
Speed Breaker
Go
Diversion Left
STOP
Only LEFT Can Go
Only RIGHT Can Go





# वैश्विक व स्थानिक समझ हेतु पढ़ना

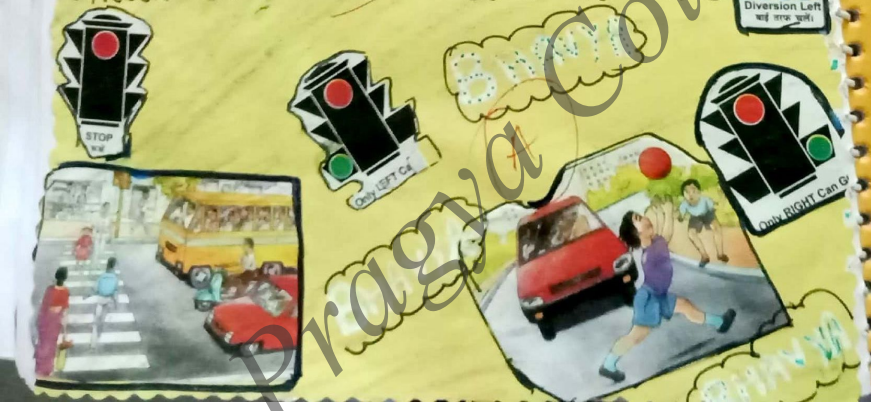

Signature ______

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

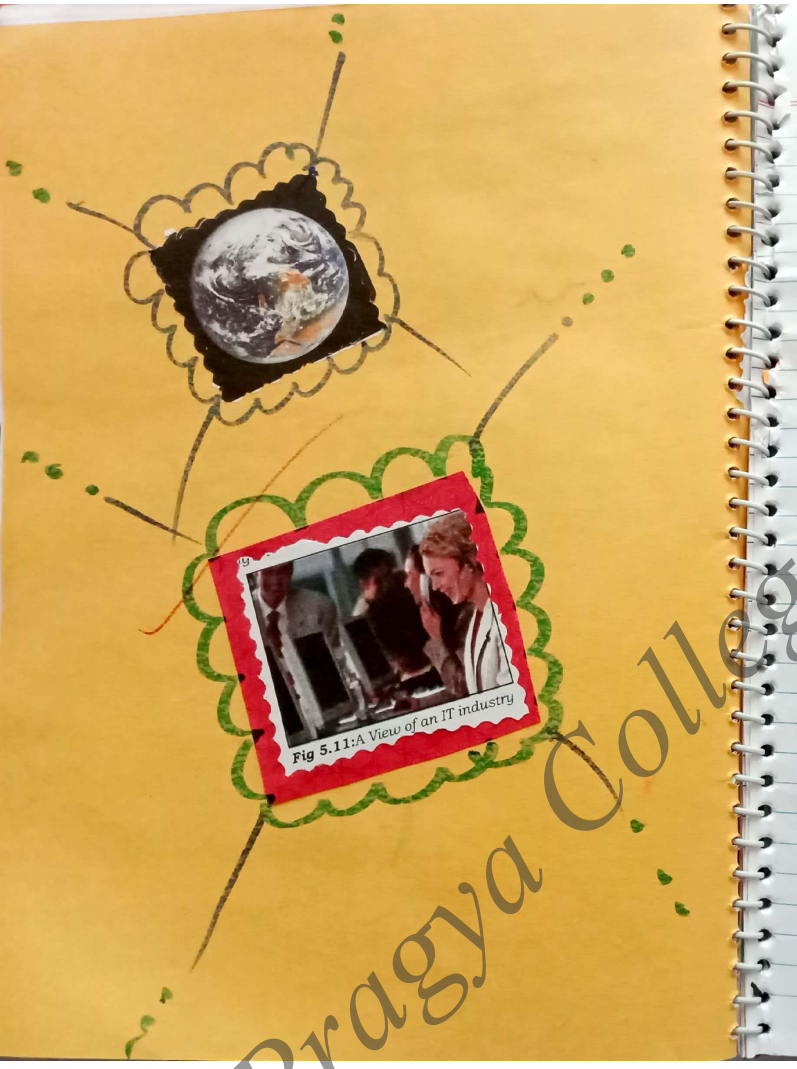

Fig 5.11: A View of an IT industry

# वैश्विक एवं स्थानिक समझ

वर्तमान समय मे विश्व तेजी से भूमण्डलीकरण की ओर बढ़ रहा है। अतः बालक का भाषाई ज्ञान मातृभाषा या स्थानीय भाषा तक ही सीमित नहीं रह सकता इसके लिए बालक को स्थानीय व ग्लोबल भाषा के ज्ञान की आवश्यकता

- स्थान विशेष पर बातचीत या चर्चा हेतु
- प्राथमिक शिक्षा हेतु
- परिवार द्वारा बोली जाने वाली भाषा का ज्ञान
- स्थानीय मनोरंजन प्राप्त हेतु
- संस्कृति के ज्ञान हेतु

## ग्लोबल भाषा का ज्ञान

भाषा की सीमा होती है। अर्थात एक निश्चित दायरे मे बोली जाती है जो भाषा एक के अधिक देशो या अतराष्ट्रीय स्तर पर बोली जाती है। प्रायः ग्लोबल भाषा का रूप ले लेती है स्थानीय भाषा प्रायः मूल या सीमित लोगो द्वारा बोली जाती है। वैश्विक भाषा एक आम भाषा है। वास्तव मे दुनिया मे शासन करने वाली भाषा ही वैश्विक भाषा कहलाती है यही कारण है कि अग्रेजी मे आज वैश्विक भाषा का स्थान ले लिया है।

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

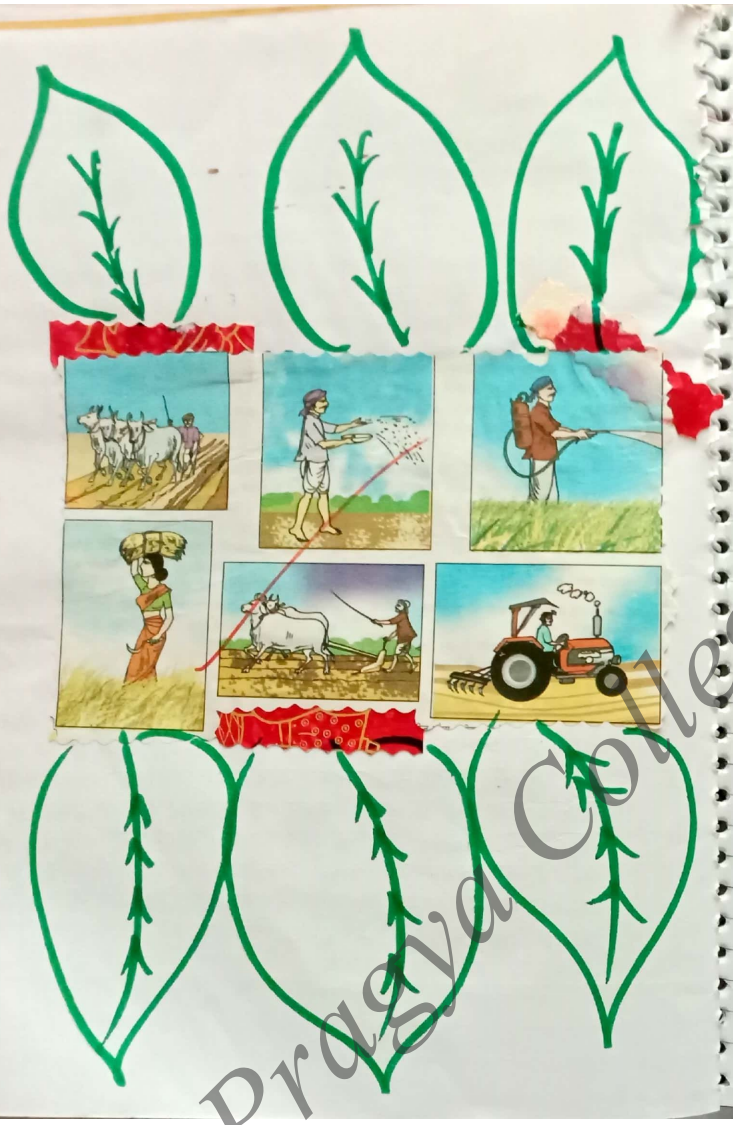

## वैश्विक भाषा की आवश्यकता

- अंतराष्ट्रीय सम्बन्धों का विकास
- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा प्राप्त करने के लिए
- विभिन्न देशों से व्यापार करने के लिए
- विभिन्न देशों की जानकारी प्राप्त करने के लिए

## वैश्विक भाषा की स्थानिक समस्या



भारत एक बहुभाषीय प्रदेश है यहां सरकार ने त्रिभाषा सूत्र की स्थापना की ताकि बालक

1. अपनी मातृभाषा का ज्ञान प्राप्त कर सके
2. स्थानीय भाषा का ज्ञान प्राप्त कर सके।
3. अंग्रेजी भाषा का ज्ञान अंतराष्ट्रीय भाषा के रूप में प्राप्त कर सके।

अंग्रेजो के लम्बे समय तक शासन करने के पश्चात भारत द्वारा अंग्रेजी को द्वितीय कार्यकारी भाषा के रूप स्वीकार कर लिया गया था जबकि हिंदी को मातृभाषा और राष्ट्रीय भाषा के रूप में स्वीकार किया गया।
स्थानीय भाषा के रूप में भारत में अनेक भाषाओं का प्रचलन है अतः अपनी मूलभाषा या स्थानीय भाषा का ज्ञान आवश्यक है।
इतनी भाषाओं में चर्चा होगी तो आपका संप्रेषण संभव न हो सकेगा। अतः एक मान्य भाषा की आवश्यकता हुई और हिंदी को सर्वमान्य भाषा की आवश्यकता हुई परंतु दक्षिण भारतीयों द्वारा विरोध के कारण अंग्रेजी को कुछ समय तक कार्यकारी भाषा के रूप में स्वीकार किया गया जो आज तक अपना स्थान बनाए हुए है।

Prava College of Education

Scanned with CamScanner

## ऐल्बर्ट आइंस्टीन

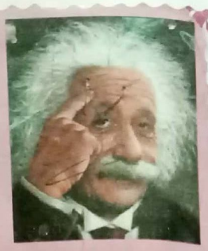



जन्म-तिथि—मृत्यु : 1879-1955

जन्म का देश : जर्मनी

प्रमुख खोजें : प्रकाश का विद्युत प्रभाव और अणुओं की ब्राउनियन गति

अल्बर्ट आइंस्टीन का जन्म जर्मनी के एक यहूदी परिवार में 14 मार्च, 1879 को हुआ था। 10 वर्ष की आयु में, इनके परिवार के एक मित्र मॉक्स टलमुड ने इनका परिचय विज्ञान तथा गणित से कराया जो इन्हें रुचिकर लगे।

1894 में इन्होने अपने प्रथम वैज्ञानिक कार्य को लिखा जिसका नाम था, "द इंवेस्टिगेशन ऑफ द स्टेट ऑफ इयर इन मैग्नेटिक फिल्ड"। दो वर्ष बाद इन्होंने ज्यूरिक के पॉलिटेक्निक से गणित तथा विज्ञान का ज्ञान प्राप्त किया तथा चार वर्ष बाद डिप्लोमा के साथ अपनी ग्रेजुएशन पूर्ण की।

1901 में, आइंस्टीन ने स्ट्रा के कोशिकीय बल पर एक समाचार को प्रकाशित किया जो इनके बहुमूल्य प्रकाशितों में से एक है। दो वर्षों बाद, इन्होंने स्विस पेटेंट ऑफिस में स्थायी स्थान प्राप्त किया। इसी वर्ष में, 1903 में, इन्होंने 6 जनवरी को माइलिवा से विवाह किया।

अपने शोध प्रबंधों के लिए आइंस्टीन को 1905 में ज्यूरिक के विश्वविद्यालय द्वारा पी-एच डी की उपाधि मिली जिसे 'ए न्यू डिटरमिनेशन ऑफ मालिक्यूलर डाइमेंशन' के नाम से जाना गया। वर्ष 1905 को आइंस्टीन के लिए वंडर इयर (अद्भुत वर्ष) के नाम से जाना जाता है जिसमें उसने चार बहुचर्चित समाचार पत्रों को संपादित किया। इनमें प्रकाश विद्युत प्रभाव, अणुओं की ब्राउनियन गति, विशेष सापेक्षता का सिद्धांत, द्रव्यमान-ऊर्जा जो कि बीसवीं शताब्दी की बहुचर्चित समीकरण है— $E = mc^2$

1910 में, आइंस्टीन ने वायुमंडल में अणुओं के प्रकाश के बिखराव पर कार्य करके आकाश के नीले होने का कारण बताया। इसी वर्ष ये ज्यूरिक विश्वविद्यालय के संयुक्त प्राध्यापक बने। दो वर्षों बाद, अपने गणितीय मित्र मार्सल ग्रोसमेन के साथ आइंस्टीन ने गुरुत्वाकर्षण खोज पर कार्य करना आरंभ किया।

1915 में आइंस्टीन ने सापेक्षता के सामान्य सिद्धांत को संपादित किया। 1921 में इन्होंने प्रकाश विद्युत प्रभाव पर कार्य के लिए नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया।

17 अप्रैल, 1955 में 76 वर्ष की आयु में आइंस्टीन की प्रिंस्टन अस्पताल में मृत्यु हो गई।



12

## पाठ की विस्तृत विविधता को पढ़ना : वर्णनात्मक अध्ययन

वर्णात्मक पठन से अभिप्राय किसी घटना, वस्तु स्थान या अन्य विवरण की व्याख्या या विस्तार से वर्णन करना अर्थात वर्णात्मक अनुच्छेद पाठक के समक्ष एक स्पष्ट मानसिक चित्र तैयार कर देता है।

उदाहरण :- एक लेखक यह स्पष्ट करना चाहता है कि "पेड सुंदर है तो वह स्पष्ट न कहकर एक मिनट रुकेगा उस पेड की संदुरता का चित्र मस्तिष्क मे प्रतिबिम्बित कर देता है

वितरण इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है कि कोई विशेष वस्तु क्या है स्पष्ट हो जाए

- पाठ को पढ़ते समय मानसिक बिम्ब बना सके
- पाठक को देखने समझने महसूस करने हेतु तैयार करना
- पसन्दीदा स्थान का चयन
- चयनित अनुच्छेद को पढ़कर अर्थ व भाव ग्रहण करना

## कथा

कथा या कथन को पढने की एक विशेष पद्धति होती है जिसका प्रयोग दर्शकों के समक्ष कथा को कहने के लिए प्रयोग किया जाता है।

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

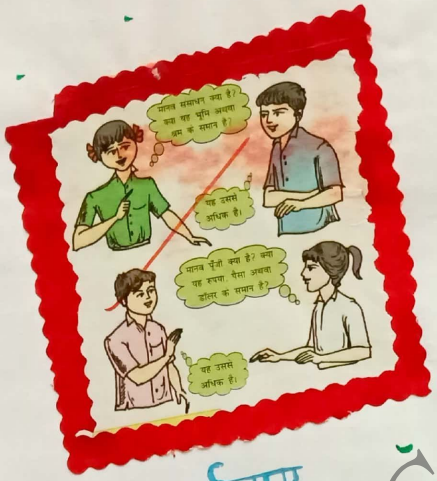


वार्तालाप

13

कथा कहने की तकनीक का एक निश्चित सेट व्यवस्था होती है जिसमें

दृश्य कथा बिंदु परिप्रेक्ष्य

दृश्य कथा को पढ़ने के लिए व्यक्तिगत या गैर व्यक्तिगत प्रकार हैं। जिसमें कहानी या कथा के रूप में प्रस्तुत की जाती

कथा अनुवाद

यह प्रस्तुतीकरण करने का ध्वनिमय माध्यम है। जिसमें कथावाचक कथा का प्रस्तुतीकरण करता है।

कथा समय

कथा समय के अंतर्गत कहानी का समय वर्तमान या भविष्य या अतीत के रूप में भी पढ़ा जाता है।

कहानी सुनने का कौशल आवश्यक है यद्यपि कहानी पढ़ने से पहले कहानी का लेख प्रस्तुतीकरण नाटक होना चाहि वाणी स्पष्ट होनी चाहिए। कथा के भावों अनुसार उतार चढ़ाव होना चाहिए भाव का प्रभाव चेहरे पर भी आना।

वार्तालाप

बातचीत या चर्चा या वार्तालाप दो या अधिक व्यक्तियों के मध्य की जाने वाली चर्चा को कहते हैं। वार्तालाप दो मध्य की जाने दो लोगों के मध्य संचार का सहज रूप है। बातचीत के कौशल के विकास के लिए शिष्टाचार एक महत्वपूर्ण हिस्सा है सामाजिकरण। वार्तालाप हेतु निम्न :

- सकारात्मक सम्प्रेषण की योग्यता का विकास
- नकारात्मक शब्द या कठोर शब्दों का प्रयोग न करना
- कार्य करने के लिए किसी से जबरदस्ती न करो विनम्र रहे।

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

14

13





**KAUTILYA PANDIT**, at the age of 8, became famous for his extraordinary memory and grasping power. He has an IQ of about 150 and is considered a mini encyclopaedia of knowledge, who can answer questions about 213 countries.

4.

# जीवनी आलेख

जीवनी आलेख किसी व्यक्ति के विषय मे व्यक्तिगत रूप मे उसकी उपलब्धियों जीवन चरित्र आदि की विधा है यह एक संक्षिप्त व वास्तविक विधा है जीवनी आलेख व्यक्ति विशेष के विषय मे वास्तविक रूप से वर्णित जानकारी व सूचनाएँ है। जीवनी आलेख पढ़ते समय :-

- व्यक्ति के विषय सम्बन्धित सभी सूचनाएँ ध्यान से पढे
- जीवन की महत्वपूर्ण बातो पर ध्यान केन्द्रण
- लेखक द्वारा वर्णित महत्वपूर्ण बिंदुओ की भाषा शैली पर ध्यान

# नाटक

नाटक काव्य का ही रूप है नाट्य रचना मे श्रवण व मौखिक दोनो कौशलो का प्रयोग किया जाता है

नाटक काव्य दो प्रकार के होते है।

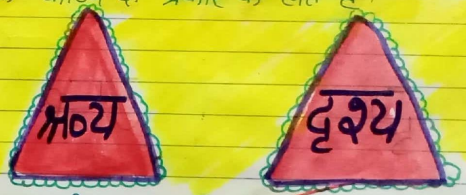




- नाटक पढ़ते समय निम्न बातो का ध्यान रखना चाहिए।
- नाटक पढने की गति मे उतार-चढ़ाव आना चाहिए।
- नाटक के संवाद बोलने चाहिए न कि पढ़ने
- नाटक एक ही मूड मे नही पढ़ा जाना चाहिए

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

## आम

स्वाद में खट्टा मीठा आम,
बात है इसमें कोई खास।
हर कोई देख इसे ललचाए,
बिन खाये फिर रह न पाए।
गर्मी के मौसम में आता है,
फलों का राजा कहलाता है।

Nice Poem

15

# कविता

कविता पद्य शिक्षण का महत्वपूर्ण स्रोत रही है।
मानव सदैव काव्य से विमुग्ध होता रहा है।
कविता में अनेक प्रकार के सौंदर्य तत्वों का समावेश होता है। जैसे अभिव्यक्ति भाव, विचार हैं।

काव्य पाठ करते समय बालक को निम्न प्रकार से प्रशिक्षित करना चाहिए।

- लय, ताल व भाव के अनुसार पढ़ना
- कविता में रुचि उत्पन्न करना
- कविता में प्रयुक्त शब्दों का अर्थ समझ कर पाठ करना
- कविता पाठ सस्वर किया जाना चाहिए
- कवि के भावों एवं विचारों को साथ सम्बन्ध स्थापित

# पत्र

पत्र चिट्ठी या खत किसी कागज पर लिखे सन्देश को कहते हैं। उन्नीसवी शताब्दी में पत्र लेखन दो व्यक्तियों के मध्य संचार का सबसे विश्वसनीय माध्यम था।

औपचारिक

अनौपचारिक

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

अनौपचारिक पत्र

# पत्र "

- औपचारिक पत्र उद्देश्यपूर्ण होते है जैसे प्रार्थना-पत्र, रोजगार इनके लिखने का निश्चित तरीका होता है।

## पटकथा

पटकथा लेखन एक कला है। वास्तव मे यह यार्थिक साहित्य है पटकथा टी० वी० रेडियो सिनेमा आदि के लिए लिखी जाती है।

पटकथा के तीन अंग होते है

- कहानी
- दृश्यमय बनावट
- संवाद

A+

पटकथा पढते समय इन तीनो मे तालमेल जरूर है।

वास्तव मे पटकथा पात्रो व संवादो के माध्यम से पढी जाती है



Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

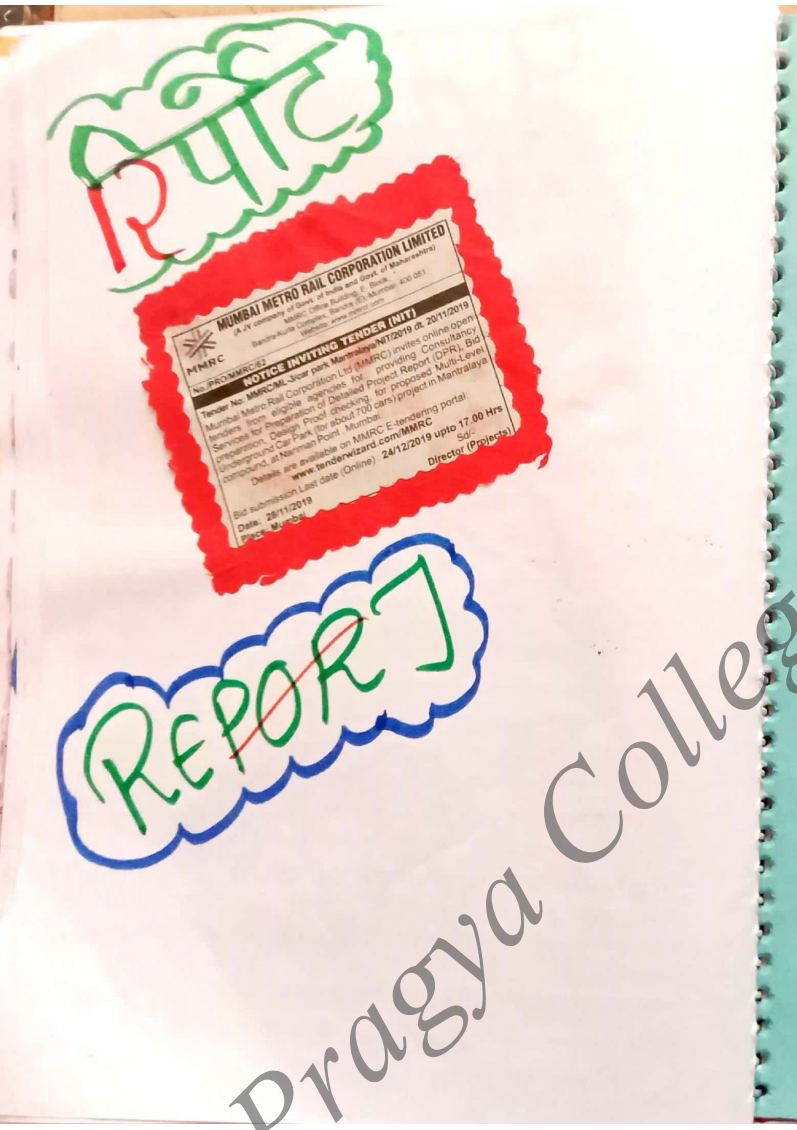

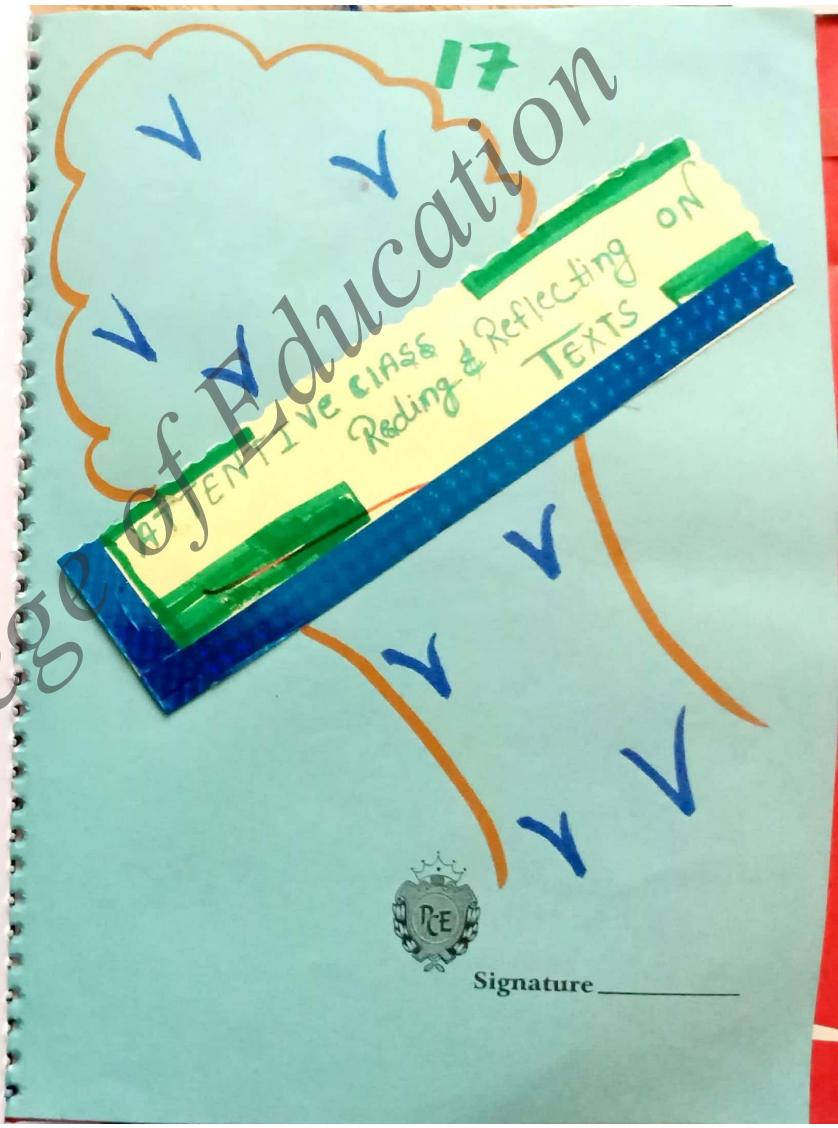

# रिपोर्ट

**MUMBAI METRO RAIL CORPORATION LIMITED**
(A JV company of Govt. of India and Govt. of Maharashtra)
MMRC Office Building, E Block,
Bandra-Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai- 400 051
Website: www.mmrcl.com

MMRC

No./PRO/MMRC/62

**NOTICE INVITING TENDER (NIT)**

Tender No: MMRC/ML-3/car park Mantralaya/NIT/2019 dt. 20/11/2019

Mumbai Metro Rail Corporation Ltd (MMRC) invites online open tenders from eligible agencies for providing Consultancy Services for Preparation of Detailed Project Report (DPR), Bid preparation, Design Proof checking, for proposed Multi-Level Underground Car Park (for about 700 cars) project in Mantralaya compound, at Nariman Point, Mumbai.

Details are available on MMRC E-tendering portal:
**www.tenderwizard.com/MMRC**

Bid submission Last date (Online) : **24/12/2019 upto 17.00 Hrs**

Date: 28/11/2019
Place: Mumbai

Sd/-
Director (Projects)

# REPORT

17

ATTENTIVE CLASS Reding & Reflecting ON TEXTS

PCE

Signature ________

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

14

# आलोचनात्मक पठन की प्रक्रिया को समझना।

आलोचनात्मक पठन या गंभीर पढ़ना भाषा विश्लेषण का रूप है। वास्तव में गंभीर पठन से हमने क्या पढ़ा की आलोचना करना नही है और न ही गंभीर पढ़ने से अभिप्राय किसी के विचारो, तर्कों या लेखन की आलोचना करना है। आलोचनात्मक चिंतन स्वंय से ही प्रश्न करने हेतु तत्पर करता है! कि लेखक क्या कहना चाह रहा है। आलोचनात्मक चिंतन अपनी सोच और अधिगम को विकसित करने की तकनीक है!

## पूर्व पठन / आर पठन

- पूर्व पठन
- परचात पठन

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

11

## पूर्व पठन

पूर्व पठन पाठ पढ़ने से पढ़ने की तत्पर होने की अवस्था

- पूर्व पठन की प्रक्रिया को निम्न प्रकार से जाना जाता है

➢ पढ़ी जाने वाली सामग्री के शीर्षक की जांच करना

पढ़े जाने वाले शीर्षक से सम्बंधित मस्तिष्क मे आने वाले विचारों की सूची बद्ध करना

पढ़ी जाने वाले सामग्री को समझने व दोहराने के के लिए सामग्री अंश का चयन

## समूह चर्चा

समूह चर्चा द्वारा क्या पढ़ा जाना है। और इस विषय से सम्बन्धित विचारों की जानकारी प्राप्त करना

## पश्चात पठन

पाठ को पढ़ने के पश्चात भी कुछ तकनीक का विकास करना चाहिए जो कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं के सोचने पर बाध्य करती है।

## बाहर निकलने मे सहायता

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

- पश्चात पठन हेतु पढ़ते समय तैयार पर्चों से ज्ञात होता है कि अभी तक क्या सीखा क्योंकि जब छात्र पढ़ता है तो बाहर निकलने में समय लगता है!

- कि चिन्ह का निर्माण जिनके द्वारा छात्र बाहर निकलना चाहते हैं!
- पाठ के तुरंत बाद विद्यार्थियों को EXIT slip प्रदान करे
- अपने विद्यार्थियों की आवश्यकतानुसार EXIT slip तैयार करे
- विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया आने के पश्चात EXIT slip एकत्र करे
- के माध्यम से जाने की निहार्थ अपनी आवश्यक का वितरण किस प्रकार प्रस्तुत करते हैं।

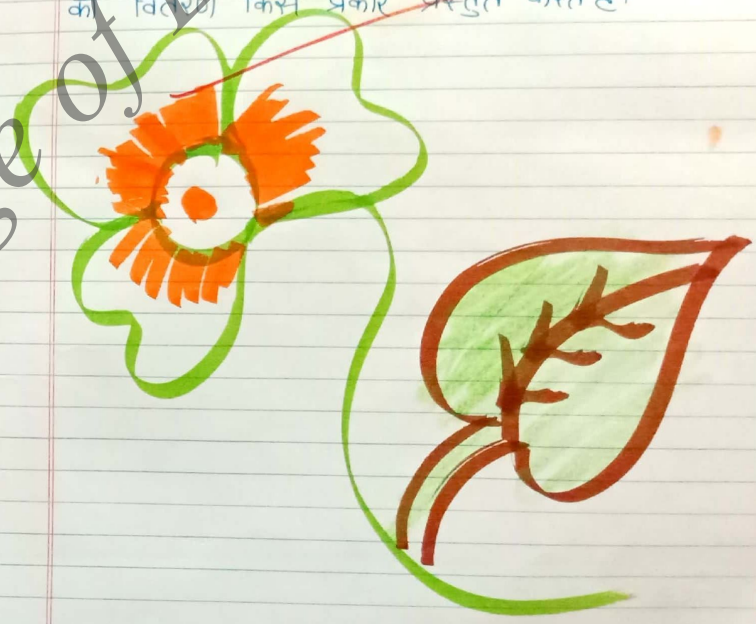



Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

# लेखन कौशल का विकास

लेखन कौशल का विकास कराने की प्रक्रिया में लेख किस प्रकार के पाठकों के लिए लिखा जा रहा है यह ध्यान रखना चाहिए। लिखे जाने वाले दर्शक किस श्रेणी के हैं या लेख किस प्रकार का लिखा जाना है दोनो महत्वपूर्ण बाते हैं।

लेखक कौशल में तीन बातो का समावेश होता है।

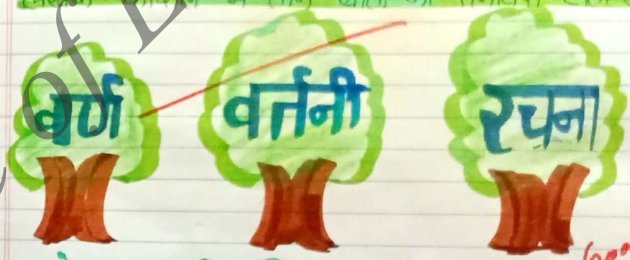




Good

## उद्देश्य पूर्ण लिखना

उद्देश्य पूर्ण लेखन से तात्पर्य है लेखन से सम्बंधित विशिष्ट तकनीको का विकास करना जिससे विद्यार्थी का कक्षा लेखन का विकास तो होगा ही और उसका लेखन सम्मान भी विकसित होगा यदि शिक्षक विद्यार्थियो में उद्देश्यपूर्ण लेखन का विकास कराता है! तो विद्यार्थियो में लेखन कार्य किस प्रकार किया जाए इस प्रक्रिया का सम्मान बढ़ता है

# विशिष्ट दर्शको हेतु लेखन

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

लेखन प्राय एक वर्ग को ध्यान में रखकर ही किया जाता है। उदाहरण के लिए माता-पिता से बात अलग ढंग से की जाती है तो मित्रो से अलग प्रकार की जाती है ठीक उसी प्रकार लेखन भी दर्शकों को ध्यान मे रखकर लिखा जाता है उदाहरण के लिए व्यापार या कानूनी ज्ञापन लिखा जाता है तो अपने साथ काम करने वाले सहकर्मी को ध्यान में रखकर लिखेंगे जबकि माता-पिता को पत्र अलग प्रकार से लिखा जाएगा।
अपने दर्शकों के विषय में जानकारी प्राप्त करना बहुत आवश्यक है। लेख लिखते समय जिनके लिए लेख लिख रहे है उनसे संबंधित जानकारी एकत्र करना, वह क्या पढ़ना चाहते है के साथ-2 वे आपके लेखन से भी प्रभावित हो का अध्ययन करना होगा!

## कक्षा लेखन का अनुभव सहयोग एव संपादन सहित

कक्षा में विद्यार्थी सीखते है और शिक्षक सीखने मे उनकी सहायता करते है। छात्र और शिक्षक के मध्य इस क्रिया को शिक्षण कहते हैं। लेखन कला इसका महत्वपूर्ण हिस्सा है इस प्रक्रिया मे बालक नए विचारो को बुनने आवश्यकतानुसार सुधारने और अन्य साथियों के समग्र कहानी और कविता लेखन के माध्यम से प्रस्तुत करता है

सहयोगात्मक लेखन

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

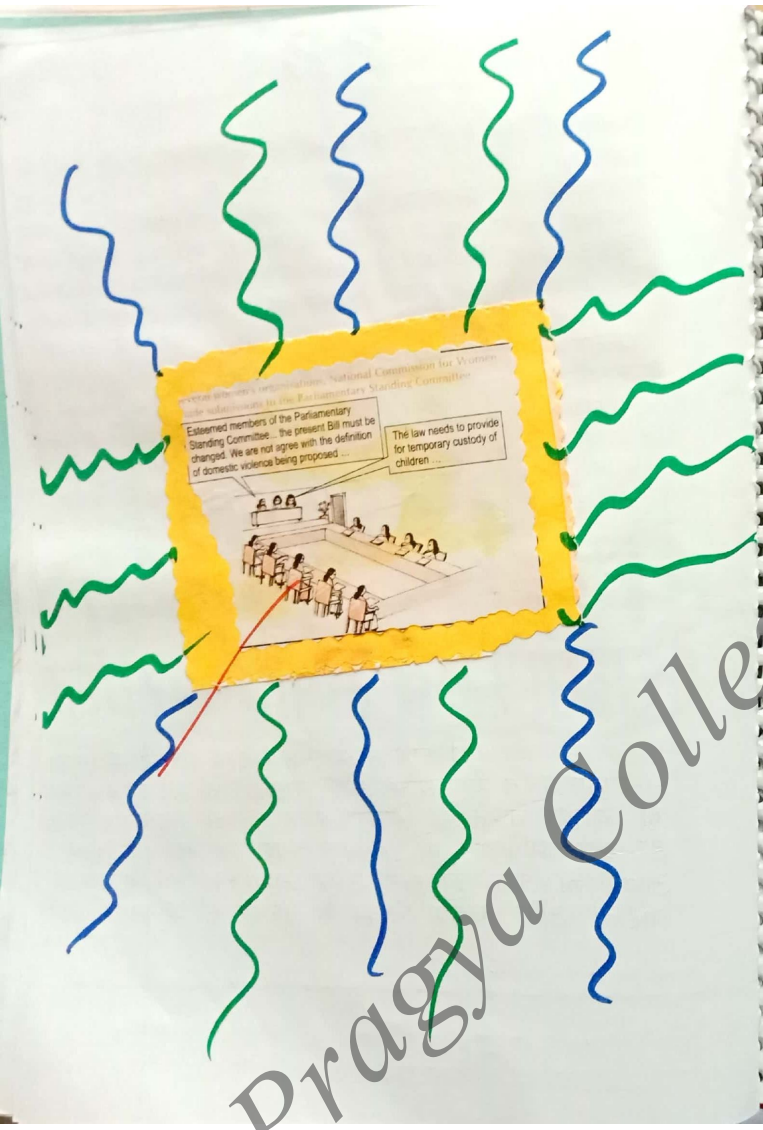

सहयोगात्मक लेखन से अभिप्राय है लेखन कार्य एक योजना पर एक से अधिक व्यक्तियों द्वारा किया जाए सहयोगात्मक लेखन एक टीम वर्क है। यह एक प्रकार से नौसीखिए लेखकों के लिए एक लेखन का दृष्टिकोण है

## सहयोगात्मक लेखन की रणनीतियाँ

### 1. एकल लेखक लेखन

एकल लेखन में टीम के सदस्य लिखने के लिए पूरी टीम से एक को प्रतिनिधि के रूप में चुनते हैं, लेखन कार्य सरल होने पर इस प्रकार का लेखन कार्य कराया जाता है।

### 2. अनुक्रमिक एकल लेखन

इस प्रकार के लेखन मे समूह के सदस्य एक समय मे एक समूह लेखन के एक भाग को लिखता है उसे अगले समूह के पास भेजते हैं।

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

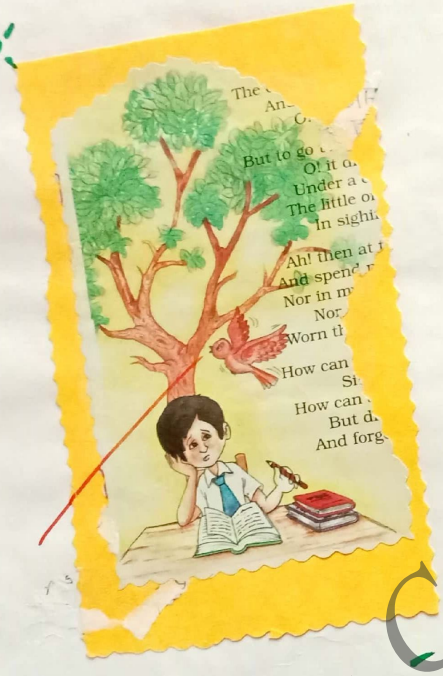


24

# अधिगम प्रक्रिया की त्रुटियों को पहचानना

बालक सीखते समय एक ही बार में ज्ञान प्राप्त करले ऐसा सम्भव नहीं होता है। शिक्षक और छात्र के मध्य चलने वाली प्रक्रिया के अभावा भी बच्चा जहां से ज्ञान सीखता है। ध्यान रखना चाहिए कि ज्ञान उचित व शुद्ध रूप में प्राप्त करें विशेषतया भाषा के क्षेत्र में अधिगम त्रुटियों को निम्न रूप में जाना जा सकता है

1. बालक द्वारा किए गए कार्य का मूल्यांकन
2. मूल्यांकन में पाई जाने वाली त्रुटियों को खोजना।
3. छात्र को उनकी गलतियों को बताना
4. छात्रों को पुनः गलतियां सुधारने का अवसर देना
5. त्रुटियां सभी बालकों द्वारा की गई है या फिर किसी विशेष छात्र की समस्या है
6. सामूहिक त्रुटि का संशोधन सामूहिक रूप में कराया जाता है
7. व्यक्तिगत त्रुटियों हेतु शिक्षक को अलग से प्रयास करना होगा
8. मूल्यांकन निरंतर किया जाए ताकि यह ज्ञात हो सके कि कहां तक सुधार हुआ है।
9. छात्र की त्रुटियों पर उसको गलत कहने की अपेक्षा अभ्यास कराया जाए।
10. मौखिक अभ्यास कराना चाहिए

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

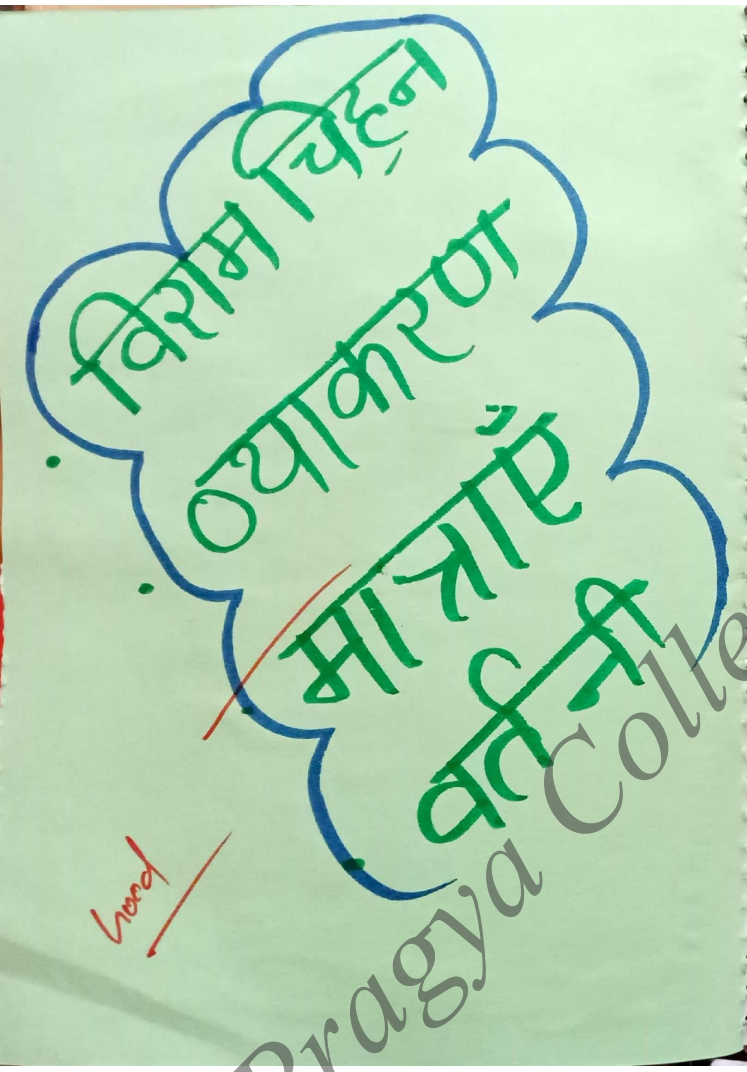


27

## व्याख्यान के संदर्भ में लिखित पाठ को संपादित करना

संपादन हर वाक्य को ध्यान से देखने की प्रक्रिया है प्रत्येक वाक्य को अच्छी प्रकार से देखने के पश्चात यकीन किया जाता है कि वाक्य जिस उद्देश्य हेतु बनाया गया है उसको पूर्ण करता है।
संपादन प्रक्रिया मे निम्न पहलुओं पर विशेष तौर पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

1 विराम चिह्न
2 व्याकरण
3 मात्राएँ
4 वर्तनी

## वाक्य विन्यास

वाक्य के व्याकरणिक नियमों के अनुसार लिखना ही वाक्य विन्यास कहलाता है। वाक्य नियमानुसार लिखा जाना चाहिए। किसी भी भाषा मे वाक्य जिन सिद्धांत व प्रक्रियाओं द्वारा बनते हैं। उनके अध्ययन को वाक्य विन्यास कहते हैं।

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

२८

# आकृति विज्ञान

आकृति विज्ञान के अन्तर्गत व्यस्थिति वर्णन, शब्दो का अध्ययन अलगाव और भेदभाव के सिद्धातो, भाषा मे उनके कार्यशब्द व्यत्पति, नए शब्दो के गठन को भाषा के सुविधाजनक प्रयोग करने हेतु!

# लेखन परम्परा

लेखन परम्परा वर्तनी, विराम चिह्न पूंजीकरण और व्याकरण की सहायता से छात्र को निबंध लिखने मे सहायता प्रदान करते है! लेखन परम्परा मुख्य से निम्न प्रकार जानी जा सकती हैं!

## शिक्षण पाठ्यक्रम संबंधित लेखन

- प्राथमिक अनुच्छेद
- प्राथमिक वाक्य संरचना
- मध्य विद्यालय बुनियादी यांत्रिकी
- मध्य विद्याल लेखन संवर्धन
- हाई स्कूल अनुच्छेद लेखन

## लेखन हेतु मुक्त संसाधन

- रचनात्मक लेखन

Pragya College of Education

रेखारीय आयोजन
लेखन प्रक्रिया

## संपादन प्रक्रिया

लेखन मे संपादन प्रक्रिया मे निम्न चरण होते हैं

1. हम क्यों लिख रहे हैं।
2. चाहे इसे दूसरो ने पढ़ा होगा
3. हम अपने लेखन के विषय मे क्या सोचते हैं।
4. हमारे लेखन के समय आने वाले भाव क्या हैं।
हम चिंतनशील लेख लेखन के विषय मे कितने सक्षम हैं

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

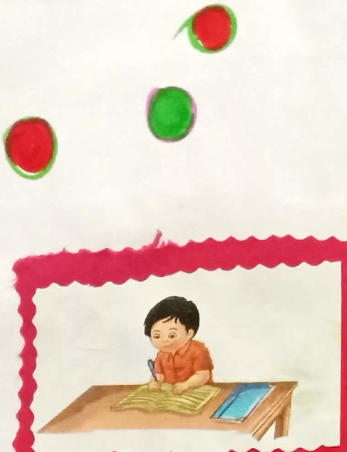

30

# चिंतनशील लेखन की अवधारणा को समझना।

चिंतनशील लेखन की अवधारणा को समझने के लिए सोच व सीखने के मध्य चल रहे आइने की तरह तीन महत्वपूर्ण बिंदु हैं।

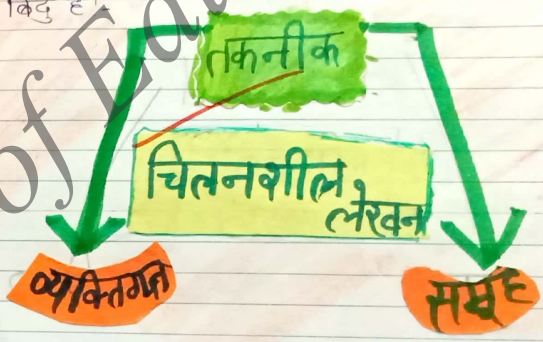


- हम क्या चिन्तन करने जा रहे हैं इस विषय पर क्यो सोच रहे
- इस लेख में क्या अच्छा और बुरा ही
- हम लिखे जाने विषय पर कैसा सोचते हैं व प्रतिक्रिया व्यक्त
- वास्तव मे क्या हो रहा था
- इस लेख के सामान्य व विशिष्ट पदार्थ क्या है हमने क्या बनाया
- लिखे जाने वाले विषय पर अलग ढंग से लिखे जाने पर क्या सोच

हम चिंतनशील लेखन मे तीन उपयोग मे जाते है।

- What
- So what
- What next

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

## चिंतनशील लेखन की विशेषताएं

चिंतनशील लेखन तुम्हारे और पाठ्यक्रम के बीच सम्बन्ध है हम अपना लेक्चर कोर्स के अनुसार Plan करते हैं। हम अपना ज्ञान बढ़ाने के लिए अपना पाठ्यक्रम स्वयं चुनते हैं चिंतनशील लेखन मे अपनी मानसिक स्थिति के अनुसार विद्यार्थी स्वंय पाठ्यक्रम को चुनते हैं।

- आप विचारो के अर्थ को कैसे समझते हैं ये विचार आपके लिए कितने उपयोगी हैं और आप इन विचारो पर कितना अमल करते
- आप विचारो के पीछे का कारण समझे उनकी उपयोगिता सिद्धांतो और शिक्षा शास्त्र को समझे
- यदि आप चिंतन, अवलोकन पर आधारित हैं तो आप अपने विचारो अनुभवो मनोवैज्ञानिक विकास व अभ्यास के बारे मे अवलोकन करें।

चिंतनशील लेखन मे कुछ गलत या सही नही है इसमे यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने पाठ्यक्रम सिद्धांतो को किस तरह प्रस्तुत करते हैं और इससे तुम्हे कितनी समझ हो रही है

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

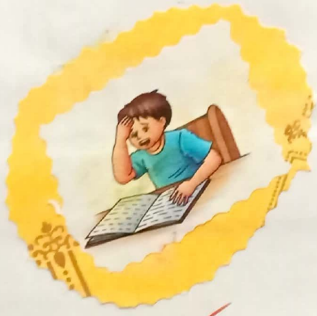

चिंतनशील सोच को महत्वपूर्ण विश्लेषण भी कहा जाता है।

1. ध्यान केन्द्रण का विकास
2. शब्द ज्ञान का विकास
3. संशोधन की प्रक्रिया का विकास
4. चिंतन शक्ति का विकास
5. नई सोच का विकास

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

# गंभीर सोच लेखन व पठन

गंभीर सोच, लेखन और पठन स्कूलो लोकतंत्रिक प्रथाओ के विकास और समाज को अधिक खुलेपन के संक्रमण की ओर जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है R.W.C.T. मध्य और पूर्वी यूरोप पूर्व सोवियत संघ के साथ 2 लेकिन अमेरिका मे अब भी सक्रिय है। R.W.C.T. शिक्षक और विद्यार्थियो को शिक्षा देने के लिए शोध के आधार पर अनुदेशात्मक तरीके से शिक्षण के लिए सिफारिश करता है। इन विधियो से छात्रो को संजीदगी से सोचने में मदद मिलती है। उनकी निजी शिक्षण मे स्वामित्व प्राप्त करने और तर्क के तर्क को समझने की योग्यता का विकास होता है। छात्रो चाहिए कि वे ध्यान से सुने आत्मविश्वास से बहस में भाग ले और वतंत्र रूप से शिक्षक बनने के लिए तैयारी करे R.W.C.T कार्यक्रम मौजूदा पाठ्यक्रम के साथ सभी ग्रेड नोट विषयो मे इस्तेमाल किया जा सकता है। R.W.C.T के तरीको को बढ़ावा देने के लिए क्रम मे

कक्षाओ के लिए अनुकूलित वातावरण तैयार करना चाहिए। सक्रिया जोय और सीखना सहकारी शिक्षण लिखने व पढ़ने मे छात्रो की सहायता करती है।

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

## पाठ का पठन

· चितनशील पठन

⇒ चितनशील पठन पढने की एक पद्धति है जिसका प्रयोग प्राथमिक स्कूलो मे कक्षा 1-7 तक किया जाता है इसमे

पाठ का पठन चिंतन और उनकी संरचना अधिगम भाषाई तत्व शाब्दिक ज्ञान और शिक्षण दर्शन

· सभी के पढने के लिए साक्षरता मानक, पढना और प्रेरणा सुधार होता है।

· शिक्षण अधिगम क्रिया मे सक्रिय रोचक रूप से पढना।

पाठ की समीक्षा करना और अच्छा पढने के लिए या आजीवन पाठक बनाने की प्रक्रिया।

छात्रो मे महत्वपूर्ण सोच कौशल को बढावा देने के लिए।

छात्रो को पाठ्यक्रम की मौलिक सामग्री को समझने के लिए।

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

35

पढ़ने की प्रक्रिया को समझना

लिखने की प्रक्रिया का अनुभव

Signature _____

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

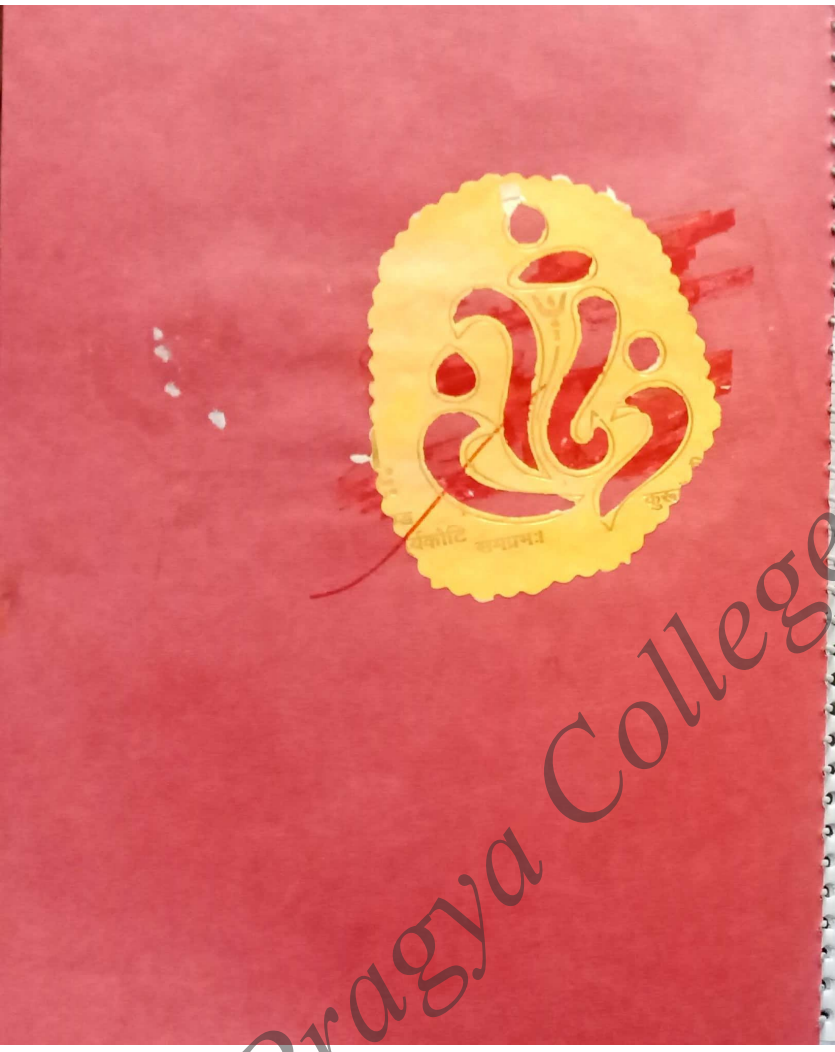

- शिक्षण दर्शन छात्रो के शैक्षिक समस्या को सुलझाने के लिए रणनीति तैयार करने मे सहायता करता है
- शिक्षण दर्शन छात्रो को अभ्यास के दायरे मे लायक अध्यापि कुशलतापूर्वक सीखने मे सहायता करते है
- शिक्षण दर्शन छात्रो को सक्रिया रूप से सीखने के परिणामो को प्रभावित करते है।
- शिक्षण दर्शन छात्रो के मूल्याकंन का स्तर पता करने की एक अच्छी विधि
- हमारा जीवन अतीत की एक घटना है और तब हम सोपते है कि चिंतनशील हमारे जीवन को कैसे प्रभावित करता है।

## छात्रो के मूल्याकन स्तर को पता करने विधियाँ

1. सहयोगी अनुसंधान परियोजना
2. पारंपरिक परीक्षाएं
3. लेखन गतिविधियाँ
4. अवधारणा सांराश
5. लिखित अवधारणा सारांश
6. समीक्षा गतिविधियां
7. क्विज
8. प्रदर्शन
9. पोर्ट फोलियो

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

# पढ़ने की प्रक्रिया समझते विद्यार्थी

## पढ़न की प्रक्रिया समझना

निश्चित लक्ष्यो को पूरा करने के लिए अध्यापक पढ़ाई गई सामग्री मे से छात्रो से प्रश्न करते है ताकि यह पता चल सके

कि विद्यार्थियों के कितना समझ मे आया है।
एक लेखक की यह जिम्मेदारी है कि पूरा करने बाद पूर्वाग्रह सूचना है कि वह विद्यार्थियो से पृष्ठपोषण ले

पूर्वाग्रह मे यह भाषा और वस्वर को पहचानने मे अभिप्रेरक तत्वो के लिए Imfeuning को शामिल करता है।

अध्यापक को चाहिए कि वह छात्रो को गंभीर रूप से पढ़ने और सक्रिय रूप से समझने के लिए प्रोत्साहित करे तथा प्राप्त चीजो का विश्लेषण करके उन्हे पेज पर लिखना चाहिए।

एक पाठ क्या कहते है। - पुन: कथन

एक पाठ करता है- विवरण।

एक पाठ का मतलब है - व्याख्या

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

# लेखन प्रक्रिया का अनुभव करती छात्रा



V. Good



## लेखन प्रक्रिया का अनुभव

**लेखन प्रक्रिया कक्षा का अनुभव**

### तैयारी

पहले छात्र पाठ पढाते है फिर पता लगाना है कि छात्र क्या लिखना चाहते है। मस्तिष्क तूफान और डूडल कहानी का चरम बिंदु का पता चला हैं

### संगठन

छात्रो के विचारो को संगठित करके उनके क्रम मे लगाना चाहिए जहां छात्र विचार व्यक्त कर सके।

### लेखन

छात्रो के विचारो को क्रम सहित प्रतिलिपि के साथ लिखो।

### संशोधन

छात्रो की कहानी में विराम चिह्न वर्तनी व्याकरण इत्यादि देखकर जाचं करो!

संशोधन के बाद उनकी कहानी को दुबारा लिखो यह फाइनल प्रतिलिपि है इसलिए इसे साफ व सुनकर बनाओ।

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

## सहयोग

छात्रों की कहानी किसी और के साथ साझा करे और देखें वह इसे कैसे पसंद करते हैं

## सहयोग लेखन के अनुभव

सहयोगी लेखन में दो या दो से अधिक व्यक्तियों द्वारा मिलकर एक लिखित दस्तावेज लिखना शामिल है यह लेखक का महत्वपूर्ण घटक है।

यह विभिन्न योजनाओं पर काम करने का कई कारणों से अच्छा तरीका है यह छात्रों को आसानी लेखन कौशल विकसित करने का तरीका है।

## सहयोग लेखन के लाभ

सभी को लेखन में शामिल होने के बराबर व तत्काल भावना लेखक अधिक निवेश है।

विभिन्न भाग सभी एक सम्पूर्ण को पूरा करने के लिए साथ में फिट हो जाते हैं।

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

40

समूह मे एक व्यक्ति अपना रोल अदाकर अधिक जिम्मेदारी के भाव दर्शाता है। क्योंकि सभी सदस्य एक ही समय व स्थान पर काम करता है। प्रत्येक समूह सदस्यो दूसरो के कार्य की नकल किए बिना योगदान दे सकते है।

## सहयोगात्मक के नुकसान

1. समूह मे कडी मेहनत करने वालो को सामान्य की अपेक्षा समान योगदान करने का मान मिलेगा।

2. कुछ सदस्यो को ऐसा लगता है कि अधिक सशक्त सदस्यो द्वारा दखाये जा रहे है।

3. यहां समय और जगह का तालमेल बिठाना मुश्किल होता है।

4 यहां ज्यादा बडे प्रोजेक्ट पर काम करने मे अधिक समय लगता है।

5 यह भागो में किया जाता है इस तरह पूरी परियोजना असबद्ध व असमान लग सकती है।

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

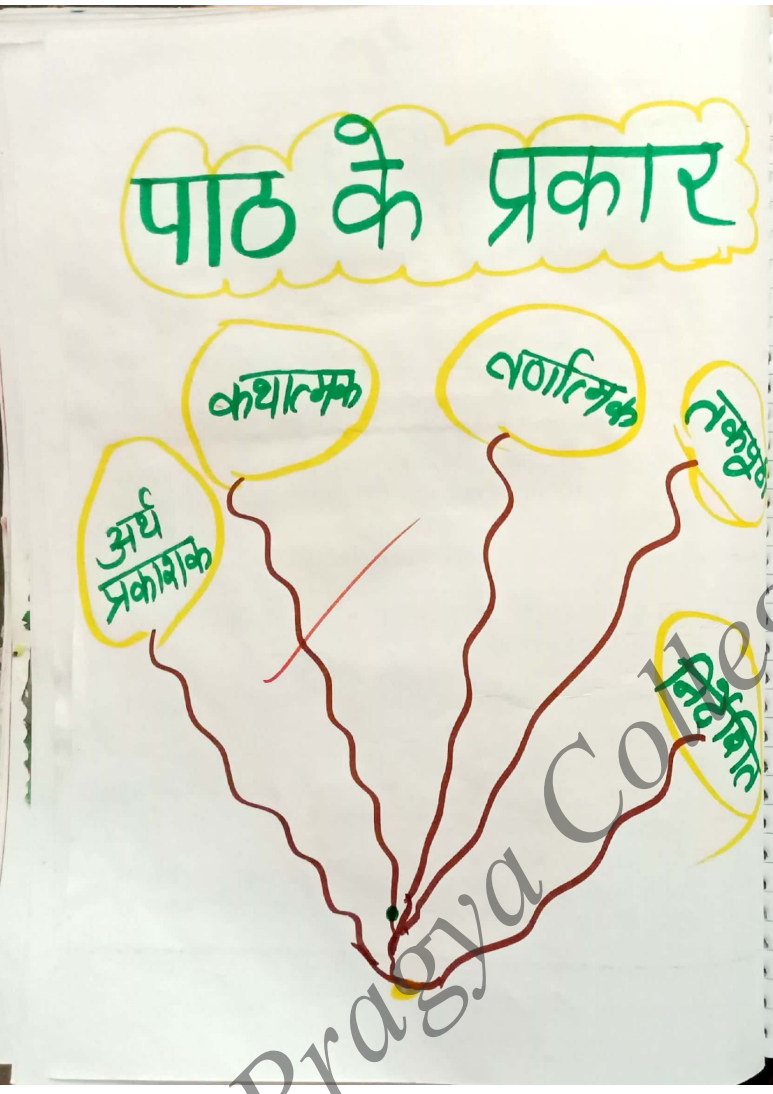


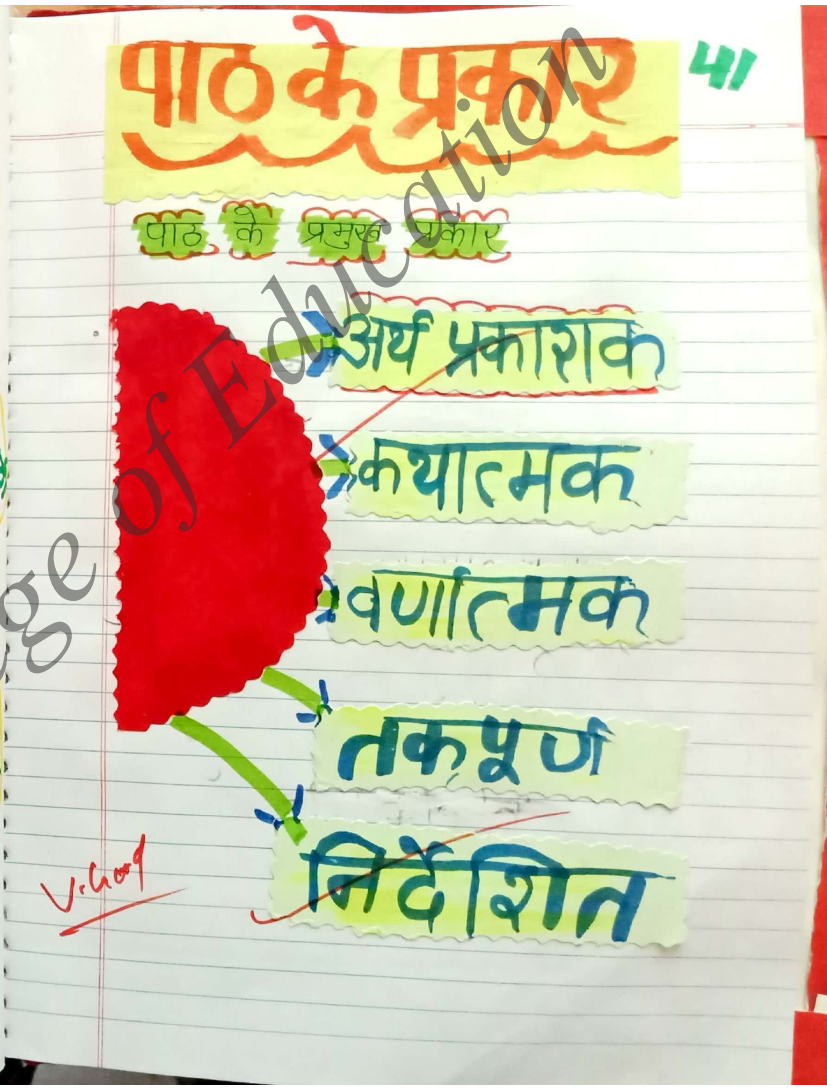


Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

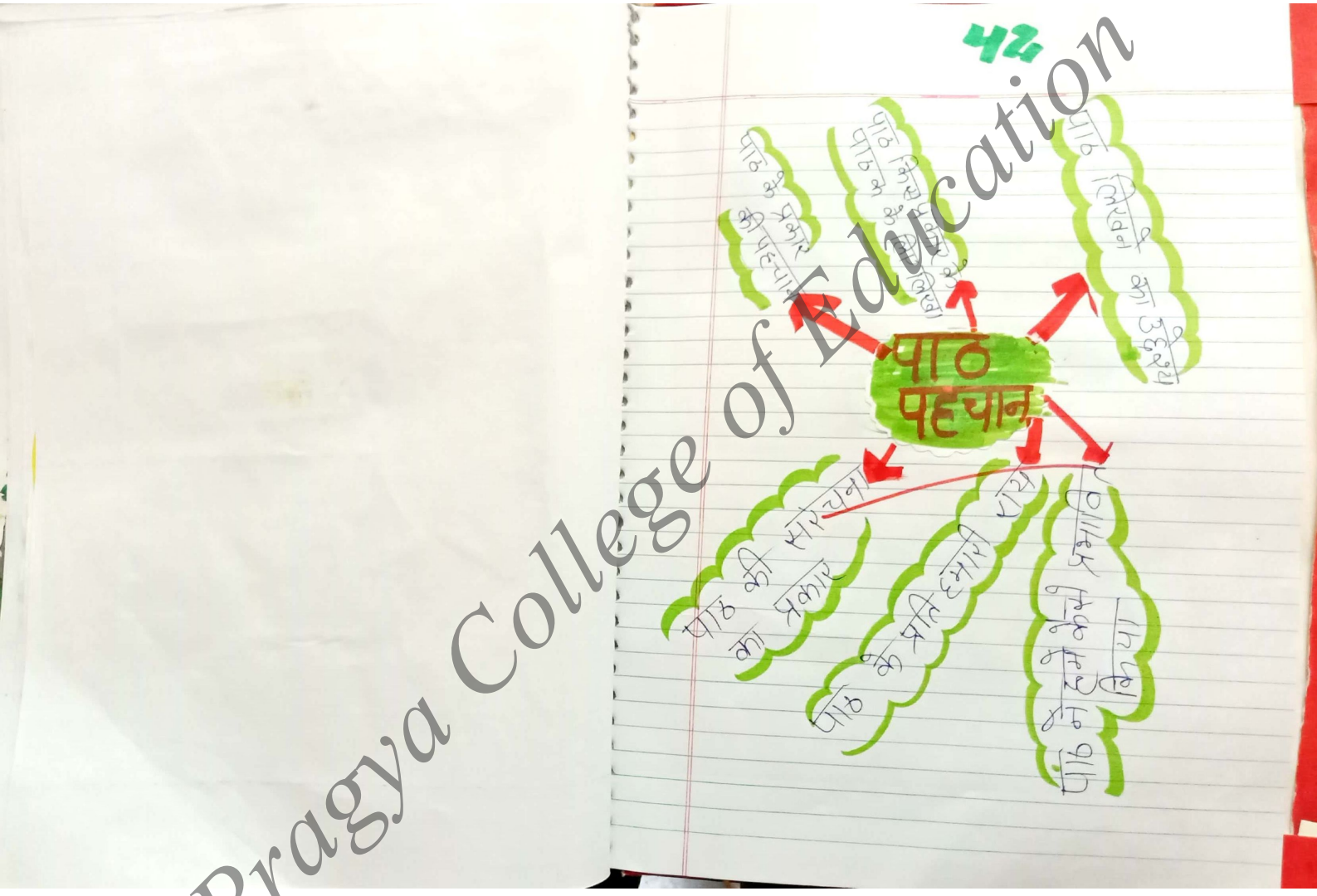


Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

## पाठ का ज्ञान

- शब्द रहित पुस्तकों द्वारा ज्ञान
- एक या दो पुस्तकों द्वारा उनके शब्दों का ज्ञान
- सीमित शब्दों वाली पुस्तक
- सामान्य पाठ प्रकार वाली पुस्तक
- पाठ की शैली की पहचान

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

**Did you know?**

On July 21, 1969 (Indian time) the American astronaut, Neil Armstrong, landed on the moon for the first time. He was followed by Edwin Aldrin.

Fig. 17.8 : An astronaut on the moon

44

# व्यक्तिगत अनुभव

व्यक्तिगत अनुभव निजी अनुभवो को पढ़ाने और समाजशास्त्रीय कल्पना को प्रोत्साहित करने की प्रक्रिया है विशेष रूप से यह पाठ को रूप मे शिक्षक की धारणा की पडताल है संक्षेप मे पाठ के रूप मे शिक्षको को subjective की खोज और मनोरंजन की अपनी परियोजनाओ मे छात्रों की सहायता करता है और खुद मे हेरिस्टिक का निर्माण होता है। एक शिक्षक को बच्चो को पढ़ाने के लिए अपने अनुभवो को एक गाइड के रूप मे प्रयोग करना चाहिए। सैद्धांतिक अवधारणा का वर्णन और उत्पादकता और विद्वत्ता को समझाने के लिए कक्षा मे बच्चो को पढ़ाते समय निजी अनु-भवो का इस्तेमाल करना चाहिए

एक कक्षा मे व्यक्तिगत अनुभवो को साझा करने मे खुद मे कमी ढूंढने, खुद और छात्रो के बीच की दूरी मे की दूरी को कम करने मे व्यक्तिगत अनुभव सहायता करता है व्यक्तिगत अनुभव अध्यापन की परियोजना के अभ्यास मे मदद छात्रो को अपने स्वयं के जीवन के लिए उचित और anticalculatory बनाने मे मदद करता है।

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

# पाठ्य-पुस्तक का ढाँचा

## स्पष्ट व सरल भाषा

पाठ्य पुस्तक मे वाक्य तथा शब्द लम्बे-2 नही होने चाहिए पाठ्य-पुस्तक की भाषा स्पष्ट व सरल होनी चाहिए शब्दावली का चुनाव ठीक प्रकार से करना !

## बालक की आवश्यकता अनुरूप

आज की शिक्षा बालकेन्द्रित आधारित है इसलिए यह पुस्तक बच्चों की आवश्यकता के अनुरूप होनी चाहिए
पुस्तक विद्यार्थी की दैनिक जीवन से संबन्धित हो

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

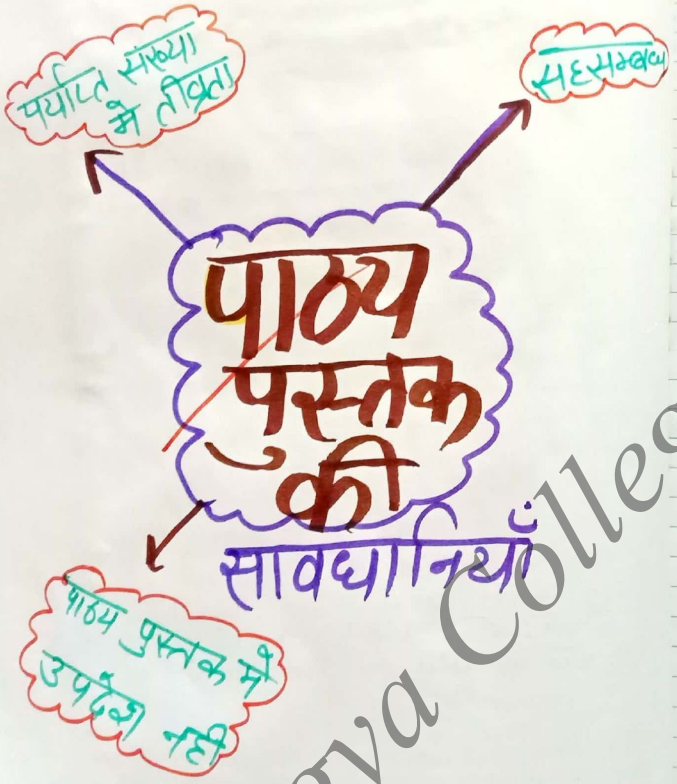




## पर्याप्त संख्या में चित्र

पाठ्यपुस्तक मे पर्याप्त मात्रा में चित्र होने चाहिए चित्रों को देखकर विद्यार्थी जल्दी समझता है ज्ञान ज्यादा देर तक याद रहता है।

## सहसंबद्ध

पाठ्य पुस्तक मे संकलित विषय-वस्तु ऐसी होनी चाहिए जिसे सहसंबद्ध द्वारा पढ़ा जा सके

## पाठ्य-पुस्तक मे कोई उपदेश नहीं

पाठ्य-पुस्तक मे केवल तथ्य होने चाहिए और कोई भी अवांछनीय तत्व नही होने चाहिए

अच्छी पुस्तक वही होती है जो सत्य के दर्शन करती है।

Good

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

47

# भाषा सुविधाएं

लेखक बातचीत करने के लिए लेकिन भाषा सुविधाओ व्याकरण और लिखित तथ्यों की सुविधा का उपयोग करें। लिखित तथ्यो की विशेषताओ में लम्बा और पाठ की लेखावट पाठ के विभिन्न हिस्सो और भागो का विवेक और अनुच्छेदो की अनुक्रमण के रूप मे एकजुट उपकरण शामिल है विभिन्न लिखित पाठों की अपनी- अपनी विशेषताएं होती है। तालिका चार्ट, नक्शे और फिर तस्वीरे दृश्य भाषा की विशेषताओ मे शामिल है पाठ लेखक को दृश्य भाषा मे सक्षम होने की जरूरत है।

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner

48
Excellent File work

# सामग्री ज्ञान

छात्रो को विषय का ज्ञान होना आवश्यक है। जब तक छात्रो को विषय का ही ज्ञान नही होगा तब तक वह पाठ्य पुस्तक को नही पढ सकता

उदाहरण :-

यदि छात्र को Math का formula व इससे जुडे सिद्धात याद नही है तो वह सवाल को हल नही कर सकता

यदि हमे शब्द का ज्ञान है हमारे सामने शब्दो के अर्थो को समझने मे कठिनाई नही होगी शब्द ज्ञान के साथ-2 हमे शब्दो का शुद्ध उच्चारण करना चाहिए।

शब्द ज्ञान से हमारे ज्ञान मे कोष मे वृद्धि होती है

**Conclusion**

हमे विषय को अच्छी तरह समझ सकते है
हमे समझने मे कठिनाइयो का सामना नही करना पडेगा
अधिगम मे आसानी होगी दायरा बढेगा

Pragya College of Education

Scanned with CamScanner